चंबल नदी में घड़ियाल शावकों की संख्या में वृद्धि

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में **इटावा रेंज में 1,186** तथा **बाह रेंज में 840** घड़ियाल के बच्चे पैदा हुए हैं, जो अब चंबल नदी में आनंदपूर्वक विचरण कर रहे हैं।

- घड़ियाल के अंडों को सेने (Incubation) में 50 से 60 दिन लगते हैं तथा जून के आरंभ में बच्चे बाहर निकलते हैं और यह प्रक्रिया लगभग **एक माह तक चलती है**।

मुख्य बिंदु

घड़ियाल के बारे में:

- **परिचय**
  - **घड़ियाल (Gavialis gangeticus)** अपने लंबे थूथन के कारण अन्य मगरमच्छों से अलग है।
  - ये **सबसे बड़े जीवित** सरीसृप हैं, जो मुख्य रूप से **मीठे पानी के दलदलों, झीलों और नदियों** में रहते हैं, जिनमें एक **खारे पानी की प्रजाति भी शामिल** है।
  - ये रात्रिचर और पोइकिलोथर्मिक (जिन्हें बाह्य-ऊष्मीय या शीत-रक्तीय जीव कहा जाता है तथा इनके शरीर का तापमान आसपास के वातावरण के साथ बदलता रहता है) होते हैं।
- **वितरण:**
  - भारतीय वन्यजीव संस्थान के अनुसार, घड़ियाल **भारत, भूटान, बांग्लादेश, नेपाल तथा पाकिस्तान** की ब्रह्मपुत्र, गंगा, सिंधु एवं **महानदी-ब्रह्मणी-बैतरणी नदी प्रणालियों** में व्यापक रूप से पाए जाते हैं।
  - वर्तमान में, उनकी प्रमुख आबादी गंगा की तीन सहायक नदियों (भारत में चंबल और गिरवा, तथा नेपाल में राप्ती-नारायणी नदी) में पाई जाती है।
  - ओडिशा भारत का एकमात्र राज्य है, जहाँ तीनों देशज मगरमच्छ प्रजातियाँ- **घड़ियाल** (Gavialis gangeticus), **मगर** (Crocodylus palustris) और खारे पानी के मगरमच्छ (Crocodylus porosus) प्राकृतिक रूप से पाई जाती हैं।
- **जनसंख्या:**
  - भारत में वैश्विक घड़ियालों की कुल जंगली आबादी का **लगभग 80% हिस्सा** रहता है। लगभग **3,000 घड़ियाल** देश के विभिन्न संरक्षित क्षेत्रों जैसे- राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य, कतर्नियाघाट तथा **सोन घड़ियाल अभयारण्य** में पाए जाते हैं।
- **मगरमच्छ संरक्षण परियोजना:**
  - भारत ने **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और खाद्य एवं कृषि संगठन** के सहयोग से ओडिशा के भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान में **मगरमच्छ संरक्षण परियोजना** का शुभारंभ किया।
  - इसने **"रियर एंड रिलीज़" पद्धति** को अपनाया, भितरकनिका और सतकोसिया टाइगर रिज़र्व जैसे संरक्षित आवासों का निर्माण किया तथा **कैप्टिव ब्रीडिंग** और **जन-जागरूकता** को बढ़ावा दिया, जिससे यह मगरमच्छ संरक्षण के लिये एक राष्ट्रीय मॉडल बन गया है।
  - विश्व मगरमच्छ दिवस (17 जून) पर, भारत अपने **मगरमच्छ संरक्षण परियोजना (CCP) (1975-2025) के 50 वर्ष पूरे होने** का स्मरण स्मरण कर रहा है।

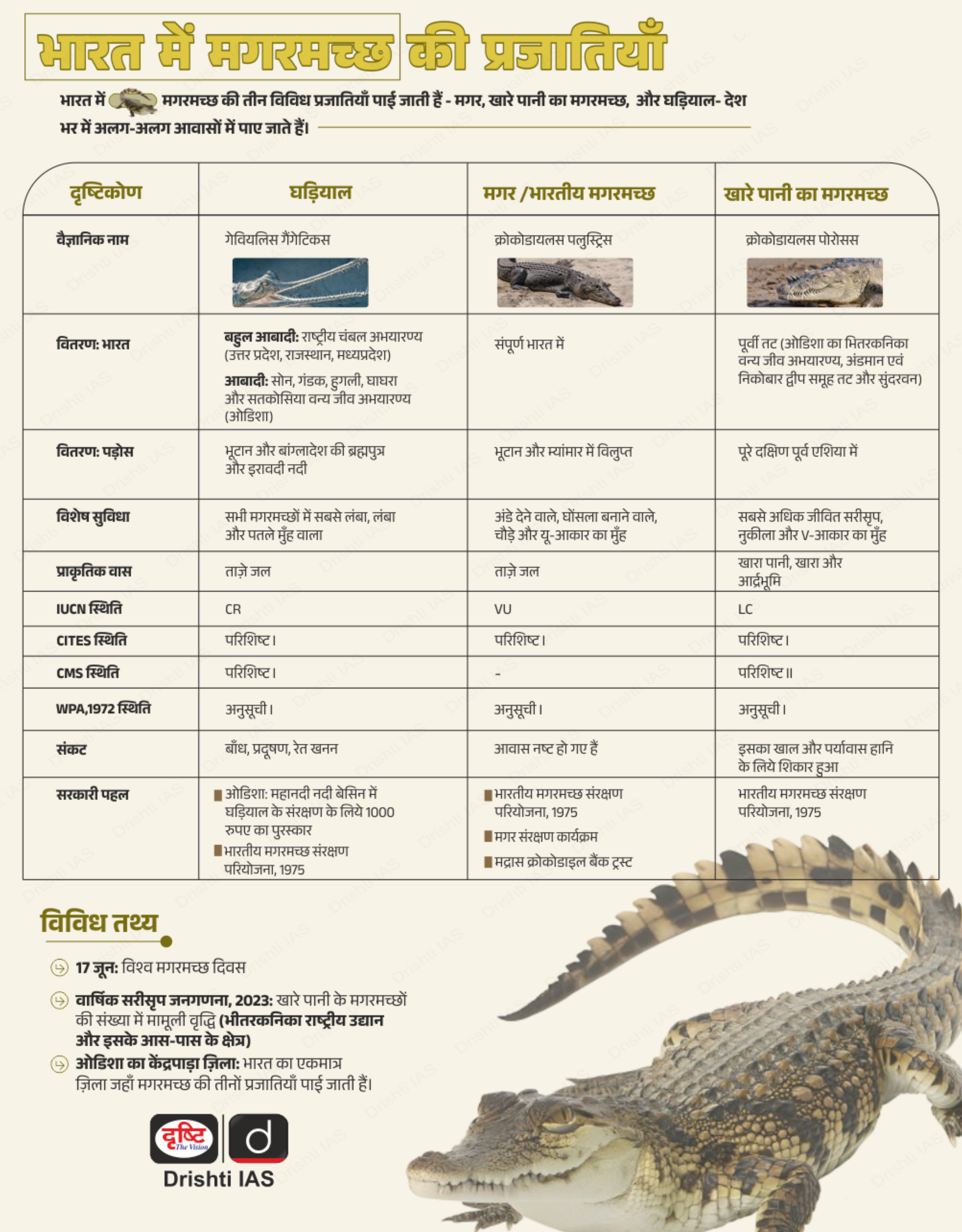

भारत में मगरमच्छ की प्रजातियाँ

भारत में मगरमच्छ की तीन विविध प्रजातियाँ पाई जाती हैं - मगर, खारे पानी का मगरमच्छ, और घड़ियाल- देश भर में अलग-अलग आवासों में पाए जाते हैं।

दृष्टिकोण	घड़ियाल	मगर /भारतीय मगरमच्छ	खारे पानी का मगरमच्छ
वैज्ञानिक नाम	गेवियलिस गैंगेटिकस	क्रोकोडायलस पलुस्ट्रिस	क्रोकोडायलस पोरोसस
वितरण: भारत	**बहुल आबादी:** राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य (उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश) **आबादी:** सोन, गंडक, हुगली, घाघरा और सतकोसिया वन्य जीव अभयारण्य (ओडिशा)	संपूर्ण भारत में	पूर्वी तट (ओडिशा का भितरकनिका वन्य जीव अभयारण्य, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तट और सुंदरवन)
वितरण: पड़ोस	भूटान और बांग्लादेश की ब्रह्मपुत्र और इरावदी नदी	भूटान और म्यांमार में विलुप्त	पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में
विशेष सुविधा	सभी मगरमच्छों में सबसे लंबा, लंबा और पतले मुँह वाला	अंडे देने वाले, घोंसला बनाने वाले, चौड़े और यू-आकार का मुँह	सबसे अधिक जीवित सरीसृप, नुकीला और V-आकार का मुँह
प्राकृतिक वास	ताज़े जल	ताज़े जल	खारा पानी, खारा और आर्द्रभूमि
IUCN स्थिति	CR	VU	LC
CITES स्थिति	परिशिष्ट I	परिशिष्ट I	परिशिष्ट I
CMS स्थिति	परिशिष्ट I	-	परिशिष्ट II
WPA,1972 स्थिति	अनुसूची I	अनुसूची I	अनुसूची I
संकट	बाँध, प्रदूषण, रेत खनन	आवास नष्ट हो गए हैं	इसका खाल और पर्यावास हानि के लिये शिकार हुआ
सरकारी पहल	▪ ओडिशा: महानदी नदी बेसिन में घड़ियाल के संरक्षण के लिये 1000 रुपए का पुरस्कार ▪ भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975	▪ भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975 ▪ मगर संरक्षण कार्यक्रम ▪ मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट	भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975

विविध तथ्य

- **17 जून:** विश्व मगरमच्छ दिवस
- **वार्षिक सरीसृप जनगणना, 2023:** खारे पानी के मगरमच्छों की संख्या में मामूली वृद्धि **(भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और इसके आस-पास के क्षेत्र)**
- **ओडिशा का केंद्रपाड़ा ज़िला:** भारत का एकमात्र ज़िला जहाँ मगरमच्छ की तीनों प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

Drishti IAS

राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य

- इसे वर्ष 1979 में **चंबल नदी** की लगभग 425 किमी लंबाई में एक नदी अभयारण्य के रूप में स्थापित किया गया था।
- इसके **बीहड़** राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के त्रि-बिंदु के पास **चंबल नदी** के किनारे 2-6 किमी तक विस्तृत हैं।
- राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य को **महत्त्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र (IBA)** के रूप में सूचीबद्ध किया गया है तथा यह एक **प्रस्तावित रामसर स्थल** भी है।

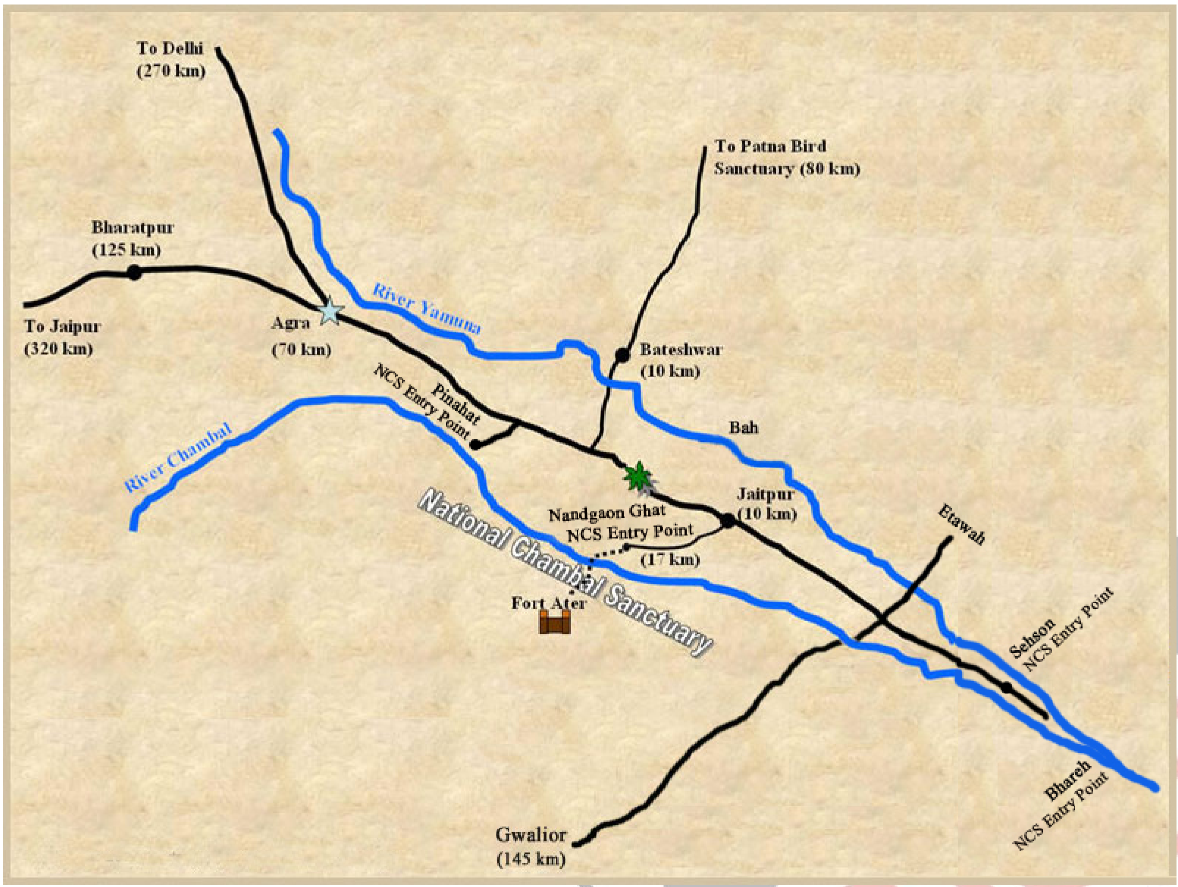

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gharial-hatchlings-thrive-in-chambal-river